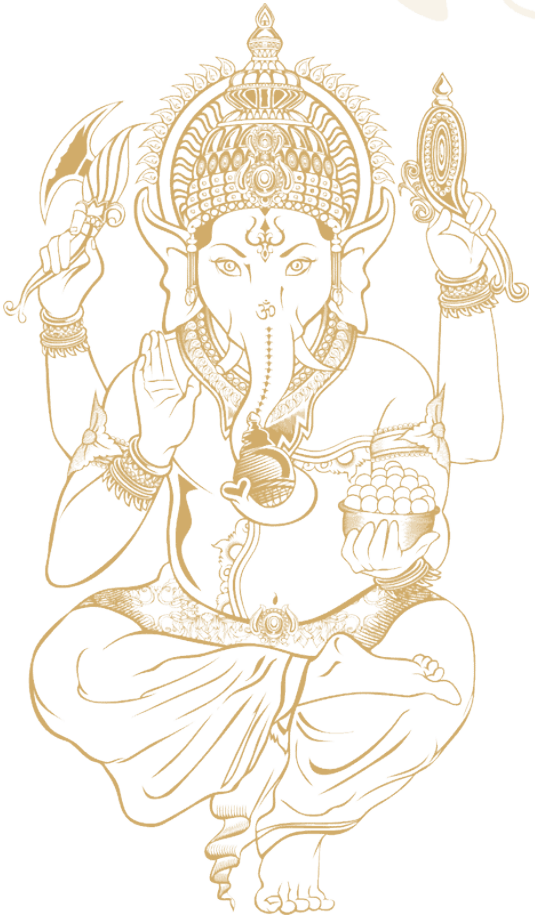

Son of jitendra madhesiya

22 Feb 2026

02:24 PM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121894105

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**22/02/2026**
दिन	रविवार
जन्म समय	**14:24:00 घंटे**
इष्ट	19:51:45 घटी
स्थान	**Gorakhpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:45:00 उत्तर
रेखांश	83:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:27:32 घंटे
वेलान्तर	-00:13:30 घंटे
साम्पातिक काल	00:36:39 घंटे
सूर्योदय	06:27:17 घंटे
सूर्यास्त	17:53:00 घंटे
दिनमान	11:25:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	09:30:59 कुम्भ
लग्न के अंश	25:07:21 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	ब्रह्म
करण	कौलव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ला-लाखन
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	25:07:21	312:58:50	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	---
सूर्य			कुंभ	09:30:59	01:00:26	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	11:16:29	14:04:34	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
मंगल		अ	मक	29:17:47	00:47:16	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	उच्च राशि
बुध			कुंभ	27:05:43	00:37:40	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:19:17	00:03:16	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	20:43:02	01:14:58	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	मित्र राशि
शनि			मीन	06:43:15	00:06:57	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु			कुंभ	14:44:59	00:00:34	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:44:59	00:00:34	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:22:59	00:00:58	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:35:09	00:02:04	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:07:27	00:01:43	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			मीन	15:44:57	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:27

लग्न-चलित

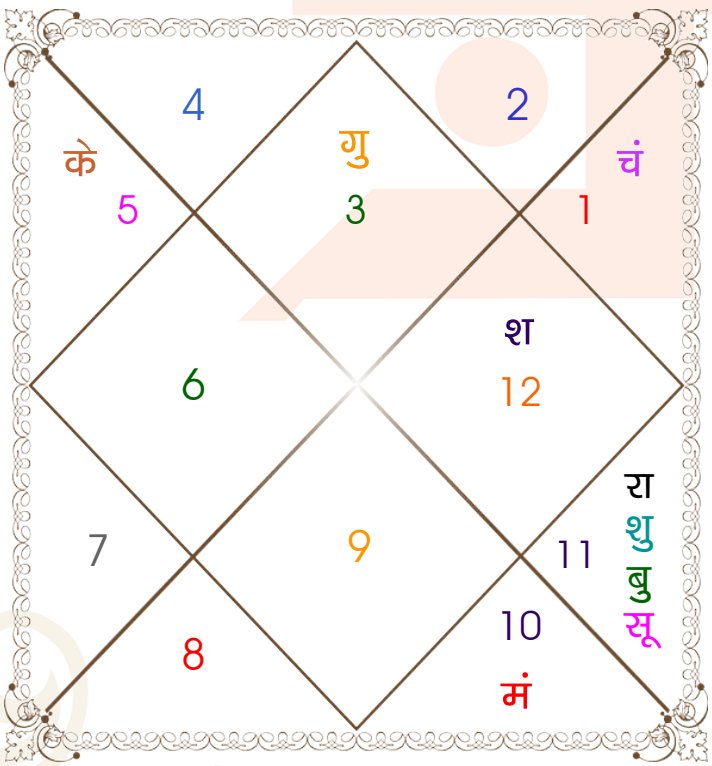

चन्द्र कुंडली

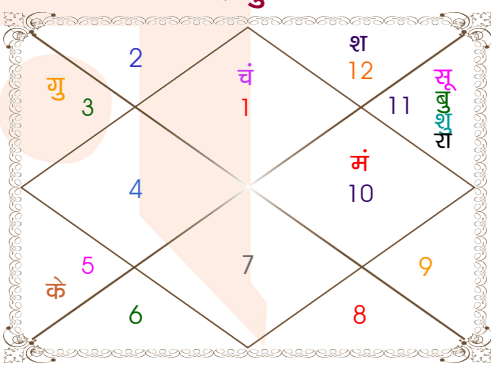

नवमांश कुंडली

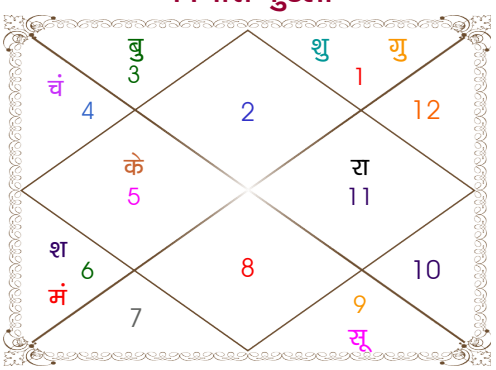

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 0 मास 29 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
22/02/2026		24/03/2027		24/03/2047		23/03/2053		24/03/2063	
24/03/2027		24/03/2047		23/03/2053		24/03/2063		24/03/2070	
	00/00/0000	शुक्र	23/07/2030	सूर्य	11/07/2047	चंद्र	22/01/2054	मंगल	20/08/2063
	00/00/0000	सूर्य	24/07/2031	चंद्र	10/01/2048	मंगल	23/08/2054	राहु	06/09/2064
	00/00/0000	चंद्र	23/03/2033	मंगल	17/05/2048	राहु	22/02/2056	गुरु	13/08/2065
	00/00/0000	मंगल	23/05/2034	राहु	11/04/2049	गुरु	23/06/2057	शनि	22/09/2066
	00/00/0000	राहु	23/05/2037	गुरु	28/01/2050	शनि	22/01/2059	बुध	19/09/2067
	00/00/0000	गुरु	22/01/2040	शनि	10/01/2051	बुध	22/06/2060	केतु	16/02/2068
	22/02/2026	शनि	24/03/2043	बुध	16/11/2051	केतु	21/01/2061	शुक्र	17/04/2069
शनि	27/03/2026	बुध	22/01/2046	केतु	23/03/2052	शुक्र	22/09/2062	सूर्य	23/08/2069
बुध	24/03/2027	केतु	24/03/2047	शुक्र	23/03/2053	सूर्य	24/03/2063	चंद्र	24/03/2070

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
24/03/2070		23/03/2088		24/03/2104		25/03/2123		24/03/2140	
23/03/2088		24/03/2104		25/03/2123		24/03/2140		00/00/0000	
राहु	04/12/2072	गुरु	11/05/2090	शनि	28/03/2107	बुध	20/08/2125	केतु	20/08/2140
गुरु	29/04/2075	शनि	22/11/2092	बुध	05/12/2109	केतु	18/08/2126	शुक्र	20/10/2141
शनि	05/03/2078	बुध	27/02/2095	केतु	14/01/2111	शुक्र	18/06/2129	सूर्य	25/02/2142
बुध	22/09/2080	केतु	03/02/2096	शुक्र	15/03/2114	सूर्य	24/04/2130	चंद्र	26/09/2142
केतु	10/10/2081	शुक्र	04/10/2098	सूर्य	25/02/2115	चंद्र	23/09/2131	मंगल	22/02/2143
शुक्र	10/10/2084	सूर्य	24/07/2099	चंद्र	26/09/2116	मंगल	20/09/2132	राहु	12/03/2144
सूर्य	04/09/2085	चंद्र	23/11/2100	मंगल	05/11/2117	राहु	09/04/2135	गुरु	16/02/2145
चंद्र	06/03/2087	मंगल	29/10/2101	राहु	11/09/2120	गुरु	15/07/2137	शनि	23/02/2146
मंगल	23/03/2088	राहु	24/03/2104	गुरु	25/03/2123	शनि	24/03/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 0 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के द्वितीय चरण में हुआ था। आपके जन्म समय मिथुन लग्न के साथ-साथ वृषभ का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। आपके जन्म प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भाग्यशाली व्यक्ति हैं। क्योंकि आप आरामदायक एवं प्रसन्नतम जीवन व्यतीत करेंगे। परंतु आप कार्य करने से विमुख हो जाते हैं फिर आप किस प्रकार उपयुक्त कार्य सुनिश्चित कर सकेंगे। अतः आप कार्य के संबंध में पूर्णरूपेण विचार कर उपयुक्त एवं अनुकल कार्य सुनिश्चित कर लें।

आपकी ढुल-मुल नीति के कारण आप मानसिक रूप से व्यस्त रहते हैं एवं प्रतिक्षण अन्य लुभावने कार्य-व्यवसाय को प्रारंभ करने हेतु व्यग्रता पूर्वक प्रवृत हो जाते हैं। इसलिए आप अधीर होकर, तत्काल ही परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं। जिस वजह से आप प्रलोभन में पड़ कर अनेकों कार्यों को अपूर्ण छोड़ देते हैं। फलस्वरूप आपके कठिन श्रम से कोई लाभ प्राप्त नहीं हो पाता है। अतः आप भविष्यकाल के लिए निर्णय करके सुदृढता पूर्वक कार्य संपादन करें।

आप में आश्चर्य जनक ग्रहणात्मक शक्ति विद्यमान है। आप दूसरो की बातों को समझने एवं ग्रहण करने में समर्थ हैं। आप किसी भी प्रकार का अंदाज लगाने के बाद भी अपने अनुकूल और विचार पूर्वक कार्य संपादन करते हैं।

आपके पास लोग निर्देशन प्राप्त करने तथा आपकी राय जानने आयेंगे। सामान्यतया किसी भी वस्तु विषय में आपका निर्णय ले लेना तथा पुनः निर्णय बदल देना यह उपयुक्त है।

आपका अच्छा स्वभाव आपको अपने मित्रों एवं संबंधियों के मध्य प्रसिद्धि प्रदान करता हैं। आपके संबंधित सभी लोग आपको प्रतिष्ठित करते हैं। अर्थात् प्रतिष्ठा प्रदान करते हैं। अन्य दूसरी बात यह है कि आपकी प्रसिद्धि आपको तेज, कुशग्र बुद्धि का, निष्कपट, विश्वासी एवं दानशील प्रवृत्ति का बनाता है।

आप अपनी उच्च महत्वकांक्षा की प्राप्ति हेतु समर्पित हो कर कोई भी कार्य प्रारंभ करें। आप चांद को स्पर्श करने की अभिलाषा नही करते परंतु आप कुछ भी चाहे जो कुछ भी प्राप्त करके ही संतुष्टि एवं प्रसन्नता का अनुभव करना चाहते हैं।

यदि आप एकाग्रता पूर्वक कार्य संपादन करें तो आपके अपने रास्ते से धन की प्राप्ति होगी। आप मुख्यतः अपने जीवन के 25वें वर्ष में अति समृद्ध हो जाएंगे। साथ ही धन का अपव्यय निरर्थक हो जाने से बहुत बड़ी उदासीनता एवं चिंता का कारण भी बनेगा।

आप पारिवारिक सदस्यों के साथ बहुत आरामदेह एवं सुखप्रद जीवन बिताएंगे। आपका शांति प्रदायक अपना भवन होगा तथा बच्चों के साथ अनेक प्रकार से सुविधाजनक एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करेंगे। उत्तम तो यह है कि आप अपने लिए अनुकूल जीवन संगिनी का चयन कर लें जिसका जन्म लग्न/राशि तुला, कुंभ, सिंह एवं मेष राशि हो।

आप भ्रमण प्रिय हैं। आप अपने मित्र मंडली का विस्तार करेंगे। आपके संपर्क के अनेक मित्रगण विस्तृत रूपेण पूर्ण समर्पित भाव से आपका सहयोग करेंगे। स्पष्टतया आपके उत्तम स्वास्थ्य की सुनिश्चितता बनी हुई है। परंतु आपको संभाव्य शारीरिक आघात के प्रति रक्षित करना चाहिए। ताकि यक्ष्मा तपेदिक, श्वांस नली की विकृति एवं उदर संबंधी विकृति रोग की परेशानी से सुरक्षित रह सकें। आपके लिए पेशा, वकालत, शैक्षणिक कार्य, पुस्तक प्रकाशन एवं पत्रकारिता के व्यवसाय अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए लाभदायक, प्रभावी एवं अनुकूल अंक 3 एवं 7 अंक है। इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल अंक है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित हैं परंतु इसे त्यागकर अपने लिए अनुकूल रंग पीला गुलाबी, बैगनी, हरा एवं नीला रंग के वस्त्रादि का व्यवहार करें। काला एवं लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।